शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

## की प्रस्तुति

# गीतांजलि

माह- सितम्बर 2022

## क्रमांक 81 से 106 तक

मिशन शिक्षण संवाद

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढाएँ। #9458278429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 01/09/2022

दिन- गुरुवार

81

# कन्या भ्रूण हत्या

**तर्ज- जरा-जरा बहकता है महकता है आज तो मेरा तन।**

जिया मेरा तड़पता है सिसकता है,
आज यह मेरा मन मलिन।
मैं पापन हूँ किया खुद से अलग तुझको क्यों?
ओ बिटिया! मेरी, देगी क्या अपनी माँ को माफी..
कर दी है तेरे संग, मैंने बड़ी नाइन्साफी..
ओ बिटिया! मेरी...ओ बिटिया मेरी ...

क्यों तड़प-तड़प गयी थी मैं यह सुनकर,
कन्या ले रही है साँसें, क्या सोच के मैं आहत थी।
एक पिता की थी मैं भी तो बेटी,
फिर क्यों मेरे इस मन में, बेटे की चाहत थी।।

क्यों मारा था उसको,जिसने ना अभी था जन्म लिया।
कैसे एक जालिम बन माँ ने, बेटी को मार दिया।।
जिया मेरा तड़पता है.....

कैसे सिसक-सिसक रोये मेरी बेटी,
सपनों में मेरे आके, करती है यह सवाल।
क्यों नहीं मिला मुझे तेरा आँचल,
क्यों तूने अपने तन से मुझको यूँ दिया निकाल।।

क्यों मेरी किस्मत में नहीं आयीं माँ की लोरियाँ?
क्यों इतनी नाजुक थीं, तेरे-मेरे बीच की डोरियाँ।
जिया मेरा .....

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 02.09.2022

दिन- शुक्रवार

82

तर्ज़- दुश्मन न करे दोस्त ने जो...

# बेटे न करें बेटियों ने जो काम किया है

बेटे न करें बेटियों ने जो काम किया है,
दुनिया में ऊँचा मात-पिता का नाम किया है।.....2

एवरेस्ट पर झण्डा गाड़ दिया,
एक बेटी ने-2 एक बेटी ने...
अन्तरिक्ष में जाके...
अन्तरिक्ष में जा के देश का सम्मान किया है।
बेटे न करें.....

भरी बहुत उड़ान जो,
पॉयलट बन गयी-2
पॉयलट बन गयी।
वायु सेना में जाके....
वायु सेना में जाके तमगा अपने नाम किया है।
बेटे न करें.....

सरकारी हो या प्राइवेट,
हर सेक्टर में छा गयी-2
सेक्टर में छा गयी।
खेल-कूद में भी....
खेल-कूद में भी जीत कर ईनाम लिया है।
बेटे न करें.....

रचना

भावना तोमर (स0अ0)
प्रा0 वि0 मवीकलां-1
वि0 क्षे0- खेकड़ा, जनपद- बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 03/09/2022

दिन- शनिवार

83

## आशा के दीप
## तर्ज- जोत से जोत जलाते चलो

दीप से दीप जलाते चलो,
आशाओं के फूल खिलाते चलो।
राहों में आये जो मुसीबत बड़ी,
हँसकर उसको भगाते चलो।।
आशाओं के दीप.....

दु:ख बड़ा हो कितना,
समय सबको भुला ही है देता।
कष्ट जीवन में हो कितना,
समय सबका घाव भर ही है देता।।
हँसके दु:ख को सभी के मिटाते चलो,
आशाओं के दीप....

सुख बाँटने से है बढता,
वँही दु:ख बाँटने से है घटता।
ये दोनों ही जीवन के साथी,
जले जैसे दीया और बाती।।
काम दु:ख में किसी के आते चलो,
आशाओं के दीप....

समय सदा समान न रहता,
ये तो सागर के पानी सा बहता।
श्रेष्ठ मानव उसी को है माना,
जो सुख-दु:ख में एक सा है रहता।।
जितना हो सके खुशियाँ फैलाते चलो,
आशाओं के दीप.....

रचना-
श्रीमती भावना शर्मा (स०अ०)
क० वि० नारंगपुर
क्षेत्र- परीक्षितगढ़, जनपद- मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 05/09/2022

दिन- सोमवार

84

## तर्ज - दुश्मन न करे दोस्त ने वो काम किया है

# शिक्षक दिवस

कोई न करे गुरु ने वो काम किया है,
उम्र भर का इल्म हमें इनाम दिया है।

अज्ञानता को छोड़ के हम ज्ञान पा गये, आऽ
अज्ञानता को छोड़ के हम ज्ञान पा गये।-2
ज्ञानियों का-2, हमने जिन्हें नाम दिया है,
अनुशासन के ज्ञान का इनाम दिया है।।
कोई न करे.....

पहले तो बुराई दूर की हमारे जीवन से, ओऽ
पहले तो बुराई दूर की हमारे जीवन से।2
सच्चाई का-2, फिर हमें पाठ दिया है,
आचरण में शुद्धता का भी ज्ञान दिया है।।
कोई न करे.....

गुरुवर ही सिखाते हैं जीने की खूबियाँ, ओऽ
गुरुवर ही सिखाते हैं जीने की खूबियाँ।-2
05 सितम्बर को-2
श्री राधाकृष्णन ने जन्म लिया है,
जन्म दिवस को शिक्षक दिवस नाम दिया है।।
कोई न करे.....

आभार हम व्यक्त करें अपने गुरुओं का,
रास्ता दिखा दिया हमें प्रगति का।-2
सम्मान करें-2, सदा ही एक शिक्षक का,
सँवार देते जीवन अपने शिष्यों का।।
कोई न करे.....

**रचना -**
स्मृति परमार (स०अ०)
सं० वि० मामूरगंज
कादरचौक, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 06/09/2022

दिन- मंगलवार

85

# योग और स्वास्थ्य

## तर्ज़- झिलमिल सितारों का आँगन होगा

स्वास्थ्य को उत्तम बनाना होगा,
जीवन में योग अपनाना होगा।
तन-मन स्वस्थ रहे सबको समझाना होगा,
स्वास्थ्य को.....।।

आओ मिलकर बीमारियों को हम भगाएँगे।
अपनी दिनचर्या में हम योग अपनाएँगे।
स्वास्थ्य समुन्नत जमाना होगा,
स्वास्थ्य को.....।।

नियमित रूप से यदि हम सब मिल योग करते जाएँगे।
जीवन में खुशहाली और समृद्धि ले आएँगे।
अच्छे भाव सब में जगाना होगा,
स्वास्थ्य को.....।।

मन-मस्तिष्क में ऊर्जा भर दे योग ऐसी साधना,
निराशा और अंधकार को पड़ेगा मन से भागना।
जन-जन को यह बतलाना होगा,
स्वास्थ्य को.....।।

रचना

अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
क्षेत्र- बड़ागाँव, जनपद- वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 07/09/2022

दिन- बुधवार

86

बढ़ गयी गर्मी मुश्किल, ये दिन-रात हो गये।
पेड़ों के ही कटने से, ये हालात हो गये।।

# वृक्षारोपण

तर्ज़- छुप गये सारे नजारे..

क्या नहीं देते हैं वृक्ष हमें ये?
हाँ, वृक्षारोपण कराना।
नेह लगाओ प्रकृति से वरना,
मुँह की पड़ेगा खाना।।
आधार जीवन का वृक्ष होते हैं,
काटकर इनको साँसें हम खोते हैं।
कहाँ से आये आम, जो बबूल बो गये,
पेड़ों के ही कटने से, ये हालात हो गये।।

ग्लोबल वार्मिंग है बढ़ रही देखो,
कि मिलकर पेड़ लगाना।
अवनी के भूषण हैं वृक्ष ये प्यारे,
इनसे ही धरा सजाना।।
खुशहाली का जल, ये बरसाते हैं,
नभ में बादल घने जब छाते हैं।
पर्यावरण बचाने जो, हम साथ हो गये,
पेड़ों के ही कटने से, ये हालात हो गये।।

रचना-
ज्योति विश्वकर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० जारी भाग-1
बड़ोखर खुर्द, बाँदा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 08/09/2022

दिन- गुरुवार

87

# साक्षरता दिवस

तर्ज- बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

भारत को साक्षर बनाएँगे हम,
वादा ये करते है मिलकर हम।
भारत को साक्षर बनाएँगे हम,
अशिक्षा को देश से मिटाएँगे हम।।2

हमें हर घर से है अशिक्षा मिटाना,
शिक्षा की ज्योति जन जन में जगाना। 2
तभी उन्नति पाएँगे..2
अपने जीवन में हम।।
भारत को.....

निरक्षरता अभिशाप है यह सबको बताना,
नर हो या नारी सबको है पढ़ाना।2
समाज से इस कलंक को,.2
अब मिटायेंगे हम।।
भारत को.....

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 09-09-2022

दिन- शुक्रवार

88

तर्ज़-हम होंगे कामयाब..

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

# शिक्षा की उड़ान

हम छू लें आसमान,
हम छू लें आसमान।
हम छू लें आसमान,
एक दिन।।

हो..हो.. शिक्षा से होता मान,
शिक्षा से ही सम्मान।
हम छू लें आसमान,
एक दिन।।

कर दें शिक्षा का प्रसार,
शिक्षित हो सारा संसार।
होगा शिक्षा का विस्तार एक दिन,
हो.. हो.. शिक्षा से होता मान,
शिक्षा से ही सम्मान,
हम छू लें आसमान एक दिन।।

हम छू लें आसमान.....

हर बच्चे का है अधिकार,
शिक्षा से बदले घर-बार।
शिक्षित होगा हर परिवार,
एक दिन।।

हो.. हो.. शिक्षा से होता मान....
हम छू लें आसमान....

महके विद्या का आँगन,
खुश हो जाए सबका मन।
सबका हो जाए उद्धार,
एक दिन।।

हो..हो.. शिक्षा से होता मान...
हम छू लें आसमान,
एक दिन।।

रचना

अर्चना यादव (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8) परसू सहार, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 10/09/2022

दिन- शनिवार

89

# तर्ज - हम तुम्हें चाहते हैं ऐसे

## दहेज एक अभिशाप

दहेज प्रथा एक अभिशाप है -2
दहेज देना ही नहीं , दहेज देना ही नहीं
दहेज लेना भी महापाप है । दहेज प्रथा----

बहू भी तो किसी की है बेटी-2
फिर दुनिया उसे , फिर दुनिया उसे
क्यों चैन से नहीं जीने देती। दहेज प्रथा---

बेटी जन्मी पिता घबराए-2
इस दहेज के लिए, इस दहेज के लिए
एक-एक पैसा जोड़े जाए । दहेज प्रथा---

अपने पापा की वह तो परी है-2
फिर ससुराल ने , फिर ससुराल ने
उसकी इज्जत क्यों ना करी है। दहेज प्रथा---

बड़े नाजो से बाबा ने पाला -2
फिर ससुराल में, फिर ससुराल में
क्यों जिंदा उसे जला डाला। दहेज प्रथा---

कुछ बेटी तो अब तक कुंवारी-2
कुछ ने खाया जहर, कुछ नहीं खाया जहर
कुछ ने फांसी ही लगा डाली । दहेज प्रथा---

रचना

हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 12/09/2022

दिन- सोमवार

90

तर्ज़- एक तू ही भरोसा, एक तू ही सहारा..

# शिक्षा

एक तू ही भरोसा, एक तू ही सहारा,
शिक्षा के बिन ना अब कोई हमारा।
ईश्वर, अल्लाह ये ज्ञान देना,
शिक्षा बिन अब हम रहे ना।।

शिक्षा ही सहारा, एक साथी हमारा,
बिन शिक्षा के जग में, दूजा ना हमारा।
ईश्वर, अल्लाह ये ज्ञान देना,
शिक्षा बिन अब हम रहे ना।।

एक शिक्षा का आरम्भ, हो हर बचपन से,
ना कोई बालक अब, छूटे अपनी शिक्षा से।
ईश्वर, अल्लाह वरदान देना,
शिक्षा बिन अब हम रहे ना।।

शिक्षा तो है एक जीवन का आधार,
बिन शिक्षा के है ये जीवन निराधार।
ईश्वर, अल्लाह ये ज्ञान देना,
शिक्षा बिन अब हम रहे ना।।

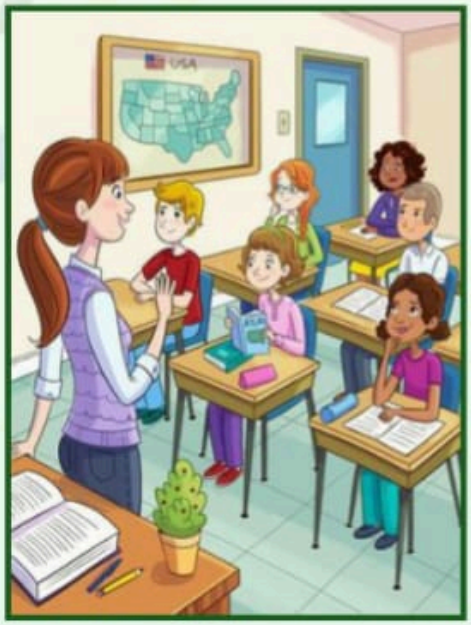

इस सारे जग में शिक्षा से अपनापन,
ना शिक्षा के सब जग में सूनापन।
ईश्वर, अल्लाह एहसान करना,
शिक्षा बिन अब हम रहे ना।।

रचना -
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० ख़ंजनपुर
क्षेत्र- इस्लामनगर, जनपद- बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 13/09/2022

दिन- मंगलवार

# 91

## तर्ज़- चाहा है तुझको।

## मन की व्यथा

हे जग के मालिक, व्याकुल है अंतर्मन।
आयी है जीवन में, कैसी ये उलझन?

हर तरफ अँधेरा है, दु:खों ने घेरा है।
इन्सां क्यों करता है? तेरा और मेरा है।।
आपसी लड़ाई में, सुख-चैन खोता है।
कर्मों की आग में, जलना भी होता है।।
हे जग के मालिक.....

मतलब के झूठे, सब रिश्ते-नाते हैं।
अपने जो मुश्किल में, साथ निभाते हैं।।
दया-धर्म को त्याग दिये, ये पैसों की दुनिया।
मानव ही मानव का, दुश्मन बना बैठा।
प्रभु तेरी दुनिया में, अन्याय ये कैसा?
हे जग के मालिक.....

चार दिन की जिंदगानी, इठलाता क्यों प्राणी।
धन, वैभव, यश पाकर, क्यों बदल जाये वाणी।।
प्रभु को भुलाकर के, मंजिल से भटके।
दर-दर की ठोकर, खाते हैं झटके।।
हे जग के मालिक.....

कोई तो हँसता, कोई रो-रोकर जीता।
अपने ही जख्मों को, आँसू बन पीता।।
व्यर्थ डगर पे जाकर यूँ ही, गँवा दिया जीवन।
मझधार में फँसी है, नौका हमारी।
आये शरण में, प्रभु हम तुम्हारी।।
हे जग के मालिक.....

रचना

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
वि० क्षेत्र- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि
दिनांक- 14-09-2022
दिन- बुधवार

92

# हिन्दी दिवस

भाषाएँ हैं सारी पर हिन्दी है एक सितारा,
इसके लिए जीना क्या मरना भी गँवारा।
साहित्य सृजन में इसने दिखाया दम सारा,
इसके लिए जीना क्या मरना भी गँवारा।।

तर्ज़ ~ सारी दुनिया प्यारी पर
तू है सबसे प्यारा..

हिन्दी से भारत की पहचान है,
हिन्द की ये तो आन बान शान है।
जैसे संगीत में बजता है राग मल्हारा,
इसके लिए जीना क्या है मरना भी गवारा।।
भाषाएँ हैं सारी...

हिन्दी तो संघ की राज भाषा है,
माँ भारती के आँचल की एक आशा है।
हिन्दी ने प्रेम का बसाया संसारा,
इसके लिए जीना क्या है मरना भी गँवारा।।
भाषाएँ हैं सारी...

राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान है हिन्दी,
शिक्षा की आन-बान-शान है हिन्दी।
भारत के लोगो की अनुपम है संस्कारा,
इसके लिए जीना क्या है मरना भी गँवारा।।
भाषाएँ हैं सारी...

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रुद्रपुर खजनी
जनपद- गोरखपुर

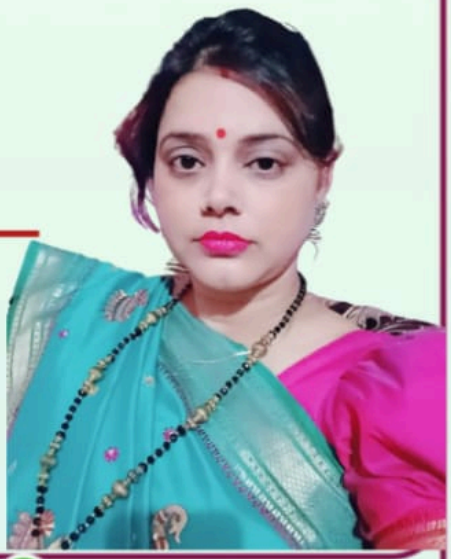

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक-15/09/2022

दिन- गुरुवार

93

## तर्ज: सावन की बरसे बदरिया..
## (पारम्परिक गीत)

# मनभावन सावन

घिर आई करिया बदरिया,
बदरा में चमके बिजुरिया।
महके सखी री मोरे मन का अंगनवा,
पीयू परदेशी बैरी भए री सवनवा।।
सखियन गावे कजरिया..
बदरा में.....।।

बैरन बिजुरिया मोरी निंदिया उड़ाए,
बरखा की रिमझिम मोरा जिया ललचाए।
अमवा की महके अमरैया,
बदरा में चमके.....।।

भीगे मोरा तन-मन भीगे मोरा अंचरा,
कारे-कारे नैनन में मुस्काए कजरा।
ठंडी-ठंडी बहे री बयरिया,
घर आए मोरे सांवरिया..
बदरा में चमके.....।।

रचना

शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० मुर्धवा
म्योरपुर, सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि
दिनांक-16-09-2022
दिन- शुक्रवार

94

## तर्ज- बहारो फूल बरसाओ....

# लगाओ वृक्ष मिलकर के....

लगाओ वृक्ष मिलकर के,
धरा को अब बचाना है।
धरा को अब बचाना है।।
पुकारुँ मैं सभी को अब,
धरा को अब बचाना है।
धरा को अब बचाना है।।

अगर हों पेड़ धरती पर,
हवा शीतल बहेगी नित।
परत ओजोन की अक्षय,
रहें प्राणी सभी हर्षित।।
गली हर खेत, बागों में,
हमें तरु रोप देना है।
धरा को अब बचाना है।।
लगाओ वृक्ष मिलकरके....

जलस्तर कम नहीं होगा,
न धरती भी गरम होगी।
सभी मौसम समय पर हों,
न आक्सीजन कमी होगी।।
समय की माँग है सुनलो,
सभी, ये कर दिखाना है।
धरा को अब बचाना है।।
लगाओ वृक्ष मिलकरके.....

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि०- बम्हौरी
मऊरानीपुर (झाँसी)

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 17/09/2022

दिन- शनिवार

95

# विश्वकर्मा जयंती

## तर्ज़- जय सियाराम जय जय सियाराम.....

जप लो, जप लो सारे नाम,
जप लो, जप लो सारे नाम।
बन जाएँगे बिगड़े काम,
जप लो, जप लो सारे नाम।।

सत्रह सितम्बर आ गयी तिथि,
पूजन-अर्चन की बताओ विधि।
विश्वकर्मा जयंती है महान,
जप लो, जप लो सारे नाम।।

स्वयं भू की मूर्ति लाओ,
स्थापित कर प्रसाद चढ़ाओ।
छोड़ो आज तुम सारे काम,
जप लो, जप लो सारे नाम।।

द्वारका का निर्माण कराया,
प्रभु कृष्ण को आशीष मिला।
पूजें हम भी सब औजार,
जप लो, जप लो सारे नाम।।

सुनों निर्माण-सृजन के देवता,
सुखी-सफल हो जीवन अपना।
दे दो हमें आज वरदान,
जप लो, जप लो सारे नाम।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

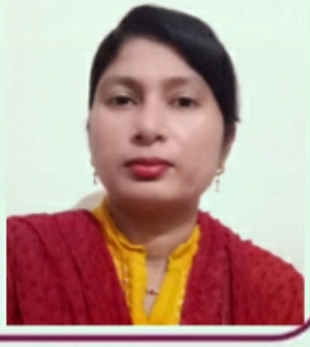

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 19/09/2022

दिन- सोमवार

96

तर्ज़- जनम-जनम का साथ है

# दहेज एक अभिशाप

दहेज एक अभिशाप है,
लालच की बीमारी।
क्यों है ग्रसित समाज हमारा?
क्यों बनते व्यापारी?

तितली ये आँगन की,
उड़ती फिरे गगन में।
घर में लक्ष्मी आयी,
फूल खिले हैं चमन में।।

बेटी के अरमानों को,
क्यों जलाते हैं ये भिखारी?
दहेज एक अभिशाप है.....

दहेज की बलिवेदी,
पर चढ़ती एक बेटी।
पिता के दिल से पूछो,
जब हो उसकी हेटी।।

क्यों होता है मोल-भाव?
ऐसी भी क्या लाचारी?
दहेज एक अभिशाप है.....

दहेज ने मानव को,
दानव बना दिया।
चन्द पैसों के खातिर,
बेटी को तौल दिया।।

टूटे हुए रिश्तों को जोड़े,
बेटी सशक्त नारी।
दहेज एक अभिशाप है.....

पैसों के लिए तुम अगर,
बेटी को सताओगे।
कानूनी धारा से,
कभी न बच पाओगे।।

बेटी को असहाय समझकर,
भूल न करना भारी।
दहेज एक अभिशाप है.....

रचना

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
वि० क्षेत्र- सादाबाद, जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 20.09.2022

दिन- मंगलवार

97

तर्ज़- मोहब्बत अब तिजारत बन गयी है....

# ये धरती अब तो....

ये धरती अब तो बंजर बन गयी है,
बंजर अब ये धरती बन गयी है।

पेड़ों को काटना फिर छोड़ देना,
बिल्डिंगें फिर वहाँ पर जोड़ देना।
जमाने....जमाने की ये आदत बन गयी है।।

अपनी धरती हरी-भरी थी कभी ये,
बड़ी ही खूबसूरत थी कभी ये।
मगर क्या....मगर क्या इसकी सूरत बन गयी है।।

कभी थी फैली हरियाली यहाँ पर,
चहुँ ओर थी खुशहाली यहाँ पर।
मगर अब....मगर अब ये जलती भट्टी बन गयी है।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (स0अ0)
प्रा0 वि0 धनौरा सिल्वर नगर-1
वि0 क्षे0- बागपत, जनपद- बागपत

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 21/09/2022

दिन- बुधवार

98

# वायु प्रदूषण

**तर्ज- यह देश है वीर जवानों का।**

जब जहरीली गैसों का अधिक,
वायु में मिश्रण हो जाता।
वो ही मेरे प्यारे मित्रों!
वायु का प्रदूषण कहलाता।।

पेट्रोल, डीजल का धुआँ भी,
वायु में मिश्रित हो जाता है।
पेड़ों की कटाई से ऑक्सीजन,
का स्तर कम हो जाता है।।

जब कारखानों का काला धुआँ,
वायु में जा मिल जाता है।
साँसों से अन्दर लेते जब,
अस्थमा का रोग लगाता है।।

कार्बन डाई ऑक्साइड बढ़ जाती,
औद्योगिकीकरण बढ़ जाता।
वो ही मेरे प्यारे मित्रों!
वायु का प्रदूषण कहलाता।।

मोटर कारों के धुएँ से,
सन्तुलन हवा का बिगड़ जाता।
वो ही मेरे प्यारे मित्रों!
वायु का प्रदूषण कहलाता।।

जो चाहो प्रदूषण से बचना,
तो आज शपथ हम सब लेंगे।
पौधारोपण कर भूमि में,
वृक्षों की संख्या बढ़ा देंगे।।

हरियाली से फिर पृथ्वी का,
शुद्ध वातावरण हो जाता।
तब ही समाप्त इस पृथ्वी से,
वायु का प्रदूषण हो पाता।।

रचना-
पूनम गुप्ता "कलिका" (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर,
क्षेत्र- धनीपुर, अलीगढ़, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि
दिनांक- 22-9-2022
दिन- गुरुवार

99

# बेटियाँ किसी से कम नहीं

तर्ज़- तुम अगर साथ देने का वादा करो

हम अगर बेटियों को बचाते रहें,
बेटियाँ यूँ सदा मुस्कुराती रहे।
तुम उन्हें बेटों की तरह पढ़ाते रहो,
बेटी भी हर जगह मान बढ़ाती रहे।।

कितनी बेटी कोख में मारी गयीं,
कितनी बेटी को दुनियाँ में लाये नहीं।
बेटी कोख में माँ से यह कहती रही,
मेरी गलती थी क्या माँ बताया नहीं।।

माता बेटी को दुनियाँ में लाती अगर,
बेटी गर्व से सिर को उठाती रहे।

मैं भी बन सकती थी पढ कर अफसर मगर,
बेटे के जैसे तुमने पढ़ाया नहीं।
दुनिया समझे कि बेटी तो कमज़ोर है,
इसलिए उसे दुनिया में लाना नहीं।।
तुम अगर बेटियों को सम्मान दो,
बेटी भी हर हुनर अब दिखाती रहे।।

डॉक्टर, इंजीनियर बेटी बनती रही,
फिर भी बेटों सा सम्मान पाया नहीं।
पॉयलट बने या फिर बने ये डी० एम०,
क्या घर को तुम्हारे सजाया नहीं।।

आओ बेटी बचाने का संकल्प लें,
बेटियाँ यूँ सदा मुस्कुराती रहे।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय- भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 23/09/2022

दिन- शुक्रवार

100

# नवरात्र गीत

तर्ज़- लोकगीत

सजल बा दुअरिया, बनल बा मंदिरिया।
सुंदर सुरतिया हौ लागे, हे माई हो!
नवरातर आइल लोगवा, झूमें और नाचें।।
हे माई हो.....

देखि तोहार रूपवा मनवाँ, हरषि जाला छन में।
मिले सुख अइसन जे ना, कौनो दुनिया भर में।।
कइके पुजनियाँ, गाइके भजनियाँ,
लोग निहाल होत बाटें।
हे माई हो.....

सकल निधान माई, बड़ी बलशाली।
तोहहीं से बाटे सारे, जग में खुशहाली।।
सोहेला मुकुटवा, सोहेला नथुनियाँ,
शेरवा सवारी नीक लागे।
हे माई हो.....

इह बाटे तोहसे माई, विनती हमार हो।
सुध-बुध संगवा देइह, समृद्धि अपार हो।।
करीला अरजिया, हर ल दरदिया,
तोहसे पुकार करीं साँचे।
हे माई हो.....

रचना

अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
क्षेत्र- बड़ागाँव, जनपद- वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

दिनांक- 24/09/2022

गीतांजलि

दिन- दिन- शनिवार

101

# मीना है एक बेटी

तर्ज- मुझे इश्क है तुझी से...

मीना है एक बेटी, निर्भीक वो बड़ी है।
कार्यशैली नेक रखकर, हर राह चल पड़ी है।।..

उम्र नौ-वर्ष की, उत्साहित हर घड़ी है,
सामाजिक बुराइयों पर डटकर हुयी खड़ी है।
रिश्तों को बहुत निभाती, शिक्षाप्रद उसकी कहानी,
परिकल्पना में रहती 'यूनिसेफ' की मीना रानी।
राजू है छोटा भाई, तोता-मिट्ठू से दोस्ती है,
अनुशासित, मीठी बोले वो सभी के मन बसी है।।
मीना है एक बेटी.....

टी० वी०, रेडियो पर आती, हैं मीना की ही कहानी,
कार्टून से सन्देश देतीं, चित्र कथाएँ भी सुहानी।
पढ़ने का सन्देश देती, सामाजिक बुराई रोकती है,
अच्छी विचारधारा रख वो, हो रही बड़ी है।
मानवता, प्रेम, सत्य, सुरक्षा के लिए अड़ी है,
कहती है बुराई छोड़ो तो आएगी शुभ घड़ी है।।
मीना है एक बेटी.....

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० ख०- मथुरा, जिला- मथुरा

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण
मिशन शिक्षण संवाद
गीतांजलि
दिनांक- 26/09/2022
दिन- सोमवार

102

# बच्चों आओ स्कूल

सुबह सवेरे आओ बच्चों स्कूल सभी,
पूरे होंगे जीवन के सारे उद्देश्य तभी।
...2

तर्ज- सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम

सीखो रोज ज्ञान की बातें,
आगे बढ़ जाओ तुम।
जीवन में अपने नित नयी,
सफलता पाओ तुम।।
हाँ सफलता पाओ तुम
तुमसे ही देश की उन्नति,
भविष्य के पालनहार तुम्हीं।
करोगे पूरे देश के सपने,
साकार तुम्हीं।।
सुबह सवेरे...2

विद्यालय में आकर उत्तम,
संस्कार को पाओ तुम।
पढ़ो लिखो और जग में
नाम कमाओ तुम।।
हाँ नाम कमाओ तुम

विद्यालय की बगिया के सुन्दर
फूल तुम्हीं,
राष्ट्र के विकास का हो आधार तुम्हीं।.2
सुबह सवेरे आओ....

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 27-09-2022

दिन- मंगलवार

103

तर्ज़- तुझे सूरज कहूँ या चन्दा.....

# गीत- बोझ नहीं बेटियाँ

मत समझो बोझ है बेटी, नहीं सोच सही ये तुम्हारा।
वो रूप है खुद लक्ष्मी का, घर में करती उजियारा।। -2

ओ बागवान बगिया के, दो फूल तुम्हीं ने उगाये।
बेटा-बेटी एक बराबर, फिर अन्तर क्यूँ अपनाये।
जरा करो भरोसा इन पर, बेटी भी बनेंगी सहारा।
वो रुप है खुद लक्ष्मी का, घर में करती उजियारा।।
मत समझो ------

गर्भ में मत तुम मारो, इन अजन्मी कलियों को।
भरने दो परवाज़ गगन में, खुलकर इन चिड़ियों को।
बेटी से ही है देखो, जग का सृजन ये सारा।
वो रूप है खुद लक्ष्मी का, घर में करती उजियारा।।
मत समझो ------

हो मात-पिता तुम इनके, क्यूँ निष्ठुर हो बन बैठे।
क्या कर नहीं सकती बेटी, जो कर सकते हैं बेटे।
दो शिक्षा, समता इनको, करें रोशन नाम तुम्हारा।
वो रूप है खुद लक्ष्मी का, घर में करती उजियारा।।

मत समझो बोझ है बेटी, नहीं सोच सही ये तुम्हारा।
वो रूप है खुद लक्ष्मी का, घर में करती उजियारा।।

रचना-
सुमन सिंह (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, जनपद- सोनभद्र

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 28.09.2022

दिन- बुधवार

104

# *लता मंगेशकर जन्म दिवस*

*तर्ज़- ओ साथी रे तेरे बिना भी क्या जीना..*

ओ! दीदी रे, तेरे बिना सब सूना,
हो ss हो.....,
तेरे बिना जग सूना।।

संगीत की गलियों में,
गायन की दुनिया में,
तेरे जैसी कोई ना,
लता बिना सब सूना।।
तेरे बिना जग.....

हर धड़कन में याद है तेरी,
गानों में तेरी खुशबू है।
इस धरती से उस अम्बर तक,
दिखती स्वर कोकिला तू ही तू है।।
तू है माँ शारदे की साधना,
तेरे बिना जग.....

भारतीय संस्कृति की,
दीदी तू पहचान है।
गायन की दुनिया में,
तेरी अलग शान है।।
है संगीत का तू नगीना,
तेरे बिना जग सूना.....

वीर जवानों में भरती ऊर्जा,
तेरी आवाज मेंअजब जादू है।
जादू यह टूटे ना,
हम तुमको भूले ना।।
मन में तू बसी रहना,
तेरे बिना जग सूना

तेरे जाने के गम में,
भारत माँ रोई लेकर हिलोरे रे।
हर भारतवासी यही चाहे
लौट फिर दीदी भारत आना रे।।
मिले अगला जन्म भी यहीं ना,
तेरे बिना जग सूना.....
ओ दीदी रे, तेरे बिना सब.....

रचना-
प्रेमचन्द (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि०सिसौला खुर्द
क्षेत्र-जानी मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 29-09-2022

दिन- गुरुवार

105

तर्ज़- मेरा दिल तेरा आशिक...

# योगा से होगा

मोटे हो जाओगे, थुल थुल कहलाओगे,
एक दिन वो आएगा,
तुम चल न पाओगे।
कहना हमारा अब मान,
तू योगा अपना ले।।

सुबह को जाग ले, खुद को पहचान ले,
अपने लिए भी थोड़ा वक़्त निकाल ले।
अब तो लगाकर ध्यान,
तू योगा अपना ले।

भागदौड़ की दुनिया में,
काम को ही बस करते हो।
जो भी मिलता उल्टा-सीधा,
पेट में वो सब भरते हो।।

हो गया गड़बड़झाला,
मन को लगाओ ताला।
पेट हुआ बेढंगा,
फैट लगाए अडंगा।।

हो..पागल हो जाएगा,
तू जी न पायेगा।
अपने बेढंगेपन को,
कैसे छुपायेगा।।
फिर से कहूँ एक बार,
तू योगा अपना ले।

अपने मन में ठानो तुम,
नियमित योगा करना है।
कुछ भी काम करो दिन भर,
पर इससे दूर न रहना है।।

वक्रासन, धनुरासन से,
तन सुदृढ तुम पाओ।
विविध करो तुम आसन,
फिर योगा ताली बजाओ।।

चर्बी घट जायेगी, काया जगमगाएगी,
आलस भगाके मंजिल तुझको मिल जाएगी।
तुझको समझाऊँ बार-बार, तू योगा अपना ले।।

रचना

रश्मि (प्र० अ०)
प्रा० वि० गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

गीतांजलि

दिनांक- 30/09/2022

दिन- शुक्रवार

106

तर्ज- परदेशियों से ना अँखियाँ मिलाना•••

## शिक्षा क्यों जरूरी है

शिक्षा को अपना ध्येय है बनाना,
शिक्षा से है, उन्नति को पाना।
शिक्षा से अपना जीवन बनाना।

आज की पढ़ाई, जीवन बनाये,
जीवन बनाकर, खुशियाँ पाये-2
खुशियों की देखो लड़ी लग जाये।
शिक्षा को अपना....

सच ही कहा है, शिक्षा को पाकर,
शिक्षक बन जाये, कलेक्टर बने जाये-2
ना जाने कितने, ओहदे पाये,
ओहदे पाकर, जग को महकाये।
शिक्षा को अपना....

शिक्षा को जितना ग्रहण करोगे,
सद्गुणों के उतने पास रहोगे-2
अवगुणों को देखो, दूर भगाये।
शिक्षा को अपना....

रचना- नीलम सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० रतनगढ़ी
वि० क्षे०- हाथरस
जनपद- हाथरस

शिक्षा का उत्थान | शिक्षक का सम्मान | मानवता का कल्याण

# मिशन शिक्षण संवाद

# गीतांजलि

## रचनाकारों की सूची

| | |
|---|---|
| पूनम गुप्ता, अलीगढ़ | सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर |
| भावना तोमर, बागपत | शालिनी गुप्ता, सोनभद्र |
| भावना शर्मा, मेरठ | जुगलकिशोर त्रिपाठी, झाँसी |
| स्मृति परमार, बदायूँ | रुखसाना बानो, मिर्जापुर |
| अरविन्द कुमार सिंह, वाराणसी | जितेन्द्र कुमार, बागपत |
| ज्योति विश्वकर्मा, बाँदा | शहनाज़ बानो, चित्रकूट |
| मृदुला वर्मा, कानपुर देहात | सुमन सिंह, सोनभद्र |
| अर्चना यादव, औरैया | प्रेमचन्द, मेरठ |
| हेमलता गुप्ता, अलीगढ़ | रश्मि औरैया |
| रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ | नीलम सिंह, हाथरस |
| मन्जू शर्मा, हाथरस | नैमिष शर्मा, मथुरा |

**मार्गदर्शन**

**राजकुमार शर्मा, चित्रकूट**

**तकनीकी सहयोग**

**जितेन्द्र कुमार, बागपत**

**नैमिष शर्मा, मथुरा**

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम, मिशन शिक्षण संवाद